SUBSCRIBE

वहीं प्रश्न जो परीक्षा में आये हुए

राजस्थान सामान्य ज्ञान

(लोकसंत एवं सम्प्रदाय)

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

पशु परिचर भर्ती

Exam - 2024

राजस्थान GK

हूबहू प्रश्न

By Aadarsh Sir

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Visit Our Platform

Website : rajasthanclasses.in

Telegram : @rajasthanclasses

App – Rajasthan 360

-----….----…..----….----…..----…

And Given link in description

Q. निम्नलिखित में से कौनसा संप्रदाय निर्गुणोपसक नहीं है ?

अ. जसनाथी

ब. दादू

स. रामस्नेही

द. नाथ

Ans. द) उपासना पद्धति के आधार पर सम्प्रदायों को दो श्रेणियों में विभक्त किया गया 1) निर्गुण भक्ति संप्रदाय 2) सगुण संप्रदाय|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. निम्नलिखित में से कौनसा संप्रदाय निर्गुण भक्ति संप्रदाय नहीं है ?

अ. दादूपंथी

ब. रामदासी

स. निरंजनी

द. जसनाथी

Ans. ब)

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

निर्गुण भक्ति संप्रदाय- इस मत के समर्थक ईश्वर को निराकार एवं निर्गुण परमसता मानकर उसकी भक्ति करते है| जैसे- विश्नोई, जसनाथी, दादूपंथी, परनामी, रामस्नेही, निरंजनी, लालदासी एवं कबीरपंथी आदि संप्रदाय शामिल हुए|

सगुण संप्रदाय- इसमें ईश्वर को सर्वस्व मानकर ईश्वर के मूर्त के रूप की पूजा-आराधना की जाती है|
इसमें शामिल संप्रदाय- रामानुज, रामानंदी, निम्बार्क, वल्लभ, गौडीय, नाथ, पाशुपत, निष्कलंकी, मीरादासी एवं चरणदासी |

SUBSCRIBE
Install App – Rajasthan 360

Q. रामस्नेही संप्रदाय की शाहपुरा शाखा के संस्थापक कौन थे ?

अ. जैमलदास
ब. रामचरण
स. रामदास
द. दरियाव

Ans. ब) प्रधान पीठ- शाहपुरा, भीलवाड़ा| रामस्नेही संप्रदाय की अन्य शाखाए-
1) रैण शाखा 2) सिंहथल शाखा 3) खैडापा शाखा|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. संत दरियावजी रामस्नेही संप्रदाय की किस शाखा के प्रवर्तक थे ?

अ. रैण

ब. खैडापा

स. सिंहथल

द. उपरोक्त सभी

Ans. अ) खैडापा के संस्थापक- संतरामदासजी, सिंहथल के संस्थापक- हरिरामदासजी|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. रामस्नेही संप्रदाय अपना फूलडोल महोत्सव किस महीने में मनाते है ?

अ. फाल्गुन

ब. चैत्र

स. वैशाख

द. कार्तिक

Ans. ब) भीलवाड़ा के शाहपुरा में होली के दुसरे दिन मनाया जाता है|

Q. 'पर्यावरण चेतना' जैसी आधुनिक शब्दावली का महत्व बहुत पहले ही किस संत ने जान लिया था?

अ. पीपाजी

ब. जाम्भोजी

स. लालदासजी

द. दादू दयालजी

Ans. ब) जाम्भोजी/संत जाम्भेश्वर, इनका जन्म पीपासर नागौर में वि.स. 1508 में पंवार वंशीय राजपूत लोहट व हंसादेवी के यहाँ हुआ| गुरु- गोरखनाथ| यह कृष्ण के अवतार माने जाते है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. जाम्भोजी के अनुयायी किस रूप में जाने जाते है ?

अ. नाथपंथी

ब. विश्नोई

स. रामस्नेही

द. शाहपुरा

Ans. ब) 29 नियमो पर आधारित होने के कारण इस सम्प्रदाय को 'विश्नोई संप्रदाय' कहते है| इस संप्रदाय की स्थापना सम्भाथल धोरा(बीकानेर) नामक स्थान पर 1485 ई. में की|

SUBSCRIBE
Install App – Rajasthan 360

Q. सिम्भूदड़ा एवं कोंडा ग्रंथों में किस संप्रदाय के उपदेश है ?

अ. विश्नोई

ब. जसनाथी

स. हरभूजी

द. लालदासी

Ans. ब) जसनाथी संप्रदाय की स्थापना- संत जसनाथजी ने की| इस संप्रदाय का मुख्य केंद्र- कतरियासर| इनका जन्म- 1482ई. में कतरियासर में| इनके गुरु- गोरखनाथ|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. जसनाथी संप्रदाय की उत्पति राजस्थान के किस रियासत राज्य में हुई ?

अ. जोधपुर
ब. टोंक
स. बीकानेर
द. भरतपुर

Ans. स) कतरियासर, बीकानेर| इस संप्रदाय के नियमो की संख्या 36 है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. विश्नोई संप्रदाय के प्रवर्तक गुरु जाम्भेश्वर से सम्बंधित मुख्य स्थान है ?

अ. लूणी

ब. नौखा

स. बालोतरा

द. मुकाम

Ans. द) इस संप्रदाय की प्रमुख पीठ- मुकाम-तालवा (नोखा,बीकानेर) में है|

SUBSCRIBE
Install App – Rajasthan 360

Q. लिखमादेसर, पूनरासर, मालासर किस संप्रदाय की उप पीठे है ?

अ. जसनाथी

ब. गौडीय

स. विश्नोई

द. निम्बार्क

Ans. अ) इन पीठों की गादी (गद्दी) पर बैठने वाले संत 'सिद्ध' कहलाते थे| लालनाथजी, चौखनाथजी और सवाईदासजी संत इन्हीं संप्रदाय से संबंधित थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. राजस्थान के वे संत कौन थे, जो राजस्थान छोड़कर बनारस गये और रामानन्द के शिष्य बन गये

अ. रैदास

ब. जाम्भोजी

स. दादूदयाल

द. धन्नाज

Ans. द) इनका जन्म जाट परिवार में ध्रुवन नामक स्थान टोंक जिले में हुआ था| रामानन्द के शिष्य थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. मध्यकालीन मेवात के प्रसिद्ध संत थे ?

अ. चरणदास

ब. लालदास

स. हरिरामदास

द. सुन्दरदास

Ans. ब) इनका जन्म 1540 ई. में अलवर जिले के धोलीदुव ग्राम में हुआ था| इनके गुरु गद्दन चिश्ती थे| पिता- चाँदमल, माता- समदा|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. निम्न में से कौनसा वैष्णव संप्रदाय नहीं है-

अ. निम्बार्क

ब. वल्लभ

स. निष्कलंक

द. लालदासी

Ans. द) लालदासी संप्रदाय के अनुयायी मेव जाति है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. 'धोलीदूव' ग्राम किस संप्रदाय से सम्बंधित है-

अ. जसनाथी

ब. वल्लभ

स. दरियापंथी

द. लालदासी

Ans. द) इस संप्रदाय की प्रमुख पीठ- नगला,भरतपुर में है| इसके संस्थापक- संतलालदासजी| संत लालदास मुस्लिम होते हुए भी 'रामभक्त' थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. दयाबाई और सहजोबाई का सम्बन्ध किस संप्रदाय से रहा है ?

अ. चरणदास

ब. जसनाथी

स. परनामी

द. निरंजनी

Ans. अ) इस संप्रदाय के संस्थापक- चरणदासजी| नारी संत दयाबाई एवं सहजोबाई इनकी प्रमुख शिष्याएं थी| इनके गुरु- शुकदेव मुनि थे| इस संप्रदाय की प्रधान पीठ- दिल्ली में है| इसके 42 नियम है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. राजस्थान में वल्लभ संप्रदाय का प्रमुख धार्मिक स्थल है -

अ. किशनगढ़

ब. जयसमंद

स. नाथद्वारा

द. उदयपुर

Ans. स) इसके प्रवर्तक वल्लभाचार्य माने जाते है| इसकी प्रधान पीठ नाथद्वारा, रामसमंद में है| इस संप्रदाय के मंदिर को 'हवेली' कहा जाता है|

Q. ‘संत भूरीबाई अलख’ का कार्यक्षेत्र था -

अ. मारवाड़

ब. मेवाड़

स. वागड़

द. हाडौती

Ans. ब) जन्म स्थान उदयपुर| इसने निर्गुण एवं सगुण दोनों ही भक्ति परम्पराओं का समर्थन किया|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. मीराबाई.......सदी की कवयित्री थी|

अ. 16

ब. 17

स. 15

द. 18

Ans. अ) जन्म- कुडकी(नागौर परगने, वर्तमान पाली में) में हुआ|
पिता- रतनसिंह| पति- भोजराज| मृत्यु स्थान- द्वारका|

SUBSCRIBE
Install App – Rajasthan 360

Q. राजस्थान के किस संत ने अपने राज्य को त्यागकर गुरु मंडली में सम्मिलित हुए-

अ. धन्नाजी
ब. पीपाजी
स. जाम्भोजी
द. रैदास जी

Ans. ब) इनका जन्म- 1425 ई. में गागरोन में हुआ| रामानन्द के शिष्य थे| इन्होने राजपाट त्याग कर संतो की सेवा की| बाड़मेर के समदड़ी नामक स्थान पर इनका भव्य मंदिर है| इन्होने सुल्तान फिरोजशाह तुगलक को पराजित किया था|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. संत पीपा की गुफा कहाँ है ?

अ. गागरोन

ब. पीपाड़

स. पीपासर

द. टोडा

Ans. द) टोडा ग्राम टोंक जिले में है|

Q. राजस्थान के किस संत द्वारा 'सत्यभामाजी नूं रूसणु' की रचना की गयी ?

अ. दादूदयाल जी

ब. दरियाव जी

स. मीराबाई

द. पीपाजी

Ans. स) इनके द्वारा रचित अन्य ग्रन्थ- पदावली, राग गोविन्द, नरसीजी रो मायरो|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. भक्ति आन्दोलन को राजस्थान में फ़ैलाने वाले संत थे ?

अ. मीराबाई

ब. नानक

स. दादूदयाल

द. सूरदास

Ans. स) इनका जन्म- अहमदाबाद में 1544 ई. में हुआ| इन्होने 1574 ई. में दादू संप्रदाय की स्थापना की| जिसकी मुख्य गद्दी- नरायना, जयपुर में है| इनकी मृत्यु- 1603 ई. में नरायना में|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. रसिक संप्रदाय के प्रवर्तक ?

अ. अचलदास

ब. अग्रदास

स. इसरदास

द. गिरधरदास

Ans. ब) यह कृष्णदास पयहारी के शिष्य थे| अग्रदास के शिष्य- नाभादास थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. परनामी संप्रदाय के उपदेश किस ग्रन्थ में संगृहित है ?

अ. कुजलम स्वरुप

ब. पालन स्वरुप

स. वाणी

द. शब्दवाणी

Ans.अ) इस संप्रदाय के संस्थापक- प्राणनाथ जी| इस संप्रदाय की मुख्य गद्दी मध्यप्रदेश 'पन्ना' में है| जयपुर के आदर्श नगर में इस संप्रदाय का विशाल कृष्ण मंदिर है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Visit Our Platform

Website : rajasthanclasses.in

Telegram : @rajasthanclasses

App – Rajasthan 360

-----….----…..----….----…..----…

And Given link in description

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन किस सूफी सिलसिला से सम्बंधित है ?

अ. कादिरी

ब. नक्शबंदी

स. सुहरावर्दी

द. चिश्ती

Ans. द) इनका जन्म 1143 ई. में ईरान में हुआ| यह हजरतशेख उस्तान हारुनी के शिष्य थे| ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स अजमेर जिले में आयोजित होता है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. किस सूफी संत ने नागौर के पास ‘सुवाल’ गाँव में अपना केंद्र बनाकर शांति पूर्वक प्रचार किया ?

अ. मोइनुद्दीन चिश्ती

ब. अल्लाह बक्ष

स. रजीउद्दीन हसन

द. शेख हमीदउद्दीन

Ans. द) नागौर जिले में इनकी मजार है| इसको ‘सुल्तान-ए-तारकिन’ की उपाधि प्राप्त थी|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. सन्यासियों के सुल्तान के उपनाम से किसे जाना जाता है ?

अ. ख्वाजा मोइनुद्दीन

ब. पीर हाजी निजामुद्दीन

स. हमीदउद्दीन नागौरी

द. गुल्हाम खां

Ans. स) यह मुहम्मद गौरी के साथ भारत आये थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. सुप्रसिद्ध 'कायाबेलि' ग्रन्थ की रचना किसने की-

अ. सूरदास
ब. रहीम
स. दादूदयाल
द. प्रतापसिंह

Ans. स) राजस्थान के कबीर के नाम से प्रसिद्ध| इनके द्वारा रचित अन्य ग्रन्थ- संतगुण सागर, नाम माला इत्यादि|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. 'अलखिया संप्रदाय' की स्थापना किसने की ?

अ. चरणदास

ब. लाल गिरि

स. संतदास

द. भोला नाथ

Ans. ब) इस निर्गुण भक्ति संप्रदाय की प्रमुख पीठ बीकानेर में| 'अलख स्तुति प्रकाश' इस संप्रदाय का प्रमुख ग्रन्थ है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. बखनाजी, संतदासजी, जगन्नाथदास, गरीबदास और माधोदास नामक संतो का सम्बन्ध निम्न में से किस संप्रदाय के साथ था ?

अ. अलखिया संप्रदाय

ब. दादू पन्थ

स. लालदासी संप्रदाय

द. रामस्नेही

Ans. ब) दादू संप्रदाय के उपशाखाएँ निम्न थी- 1) खालसा- इनके प्रवर्तक गरीबदास थे| 2) नागा- इनके प्रवर्तक सुन्दरदास थे| 3) निहंग- यह घुमन्तु साधु थे| 4) विरक्त इत्यादि|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. दादूदयाल के निधन के पश्चात् दादूपंथ का उत्तराधिकारी किसे नियुक्त किया गया ?

अ. रज्जब जी को

ब. गरीबदास जी को

स. माधोदास जी को

द. उपरोक्त सभी को

Ans. ब) गरीबदास जी दादूदयाल जी के बड़े पुत्र थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. ज्ञान समुद्र, बावनी, रामची, अटक नामक कृतियों का सम्बन्ध किस संत से है ?

अ. दादू दयाल

ब. सुन्दरदास

स. संत धन्ना

द. संत रज्जब

Ans. ब) सुन्दरदास के 42 ग्रन्थ निर्गुण भक्ति की अमूल्य निधि है| इनका जन्म- वि.स. 1653 ई. को दौसा में| और इनका निधन संवत 1746 में सांगानेर में|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. बालिंददासजी के गुरु कौन थे ?

अ. दादू दयाल

ब. सुन्दरदास

स. रज्जब

द. माधोदास

Ans. अ) बालिंददास ने 'आरिलो' नामक ग्रन्थ की रचना की थी| दादूदयाल के शिष्य थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. संत मावजी का जन्म स्थान कौनसा है ?

अ. चितौडगढ़

ब. राजसमन्द

स. डूंगरपुर

द. प्रतापगढ़

Ans. स) डूंगरपुर के आसपुर तहसील के सावला गाँव में|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. मुग़ल सम्राट अकबर द्वारा जिस संत को फतेहपुर सीकरी आमंत्रित किया गया था, वह था ?

अ. दादू दयाल

ब. लालदास

स. जसनाथ

द. उपरोक्त सभी

Ans. अ)

SUBSCRIBE
Install App – Rajasthan 360

Q. राजस्थान में 'तेरह पंथ' के प्रवर्तक रहे है?

अ. धरणीवराह जी
ब. श्रमणनाथ जी
स. जिनसेन जी
द. भीखण जी

Ans. द)आचार्य भिक्षुस्वामी/भीखणजी| इन्होने तेरह साधु और तेरह ही सामायिक करने वाले श्रावको के साथ 1760 ई. में जैन श्वेताम्बर के तेरापंथ संप्रदाय की स्थापना की|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. दादू और उनके शिष्यों की रचनाएं अधिकतर किस भाषा में पाई जाती है ?

अ. मेवाती

ब. ढूंढाड़ी

स. मेवाड़ी

द. मारवाड़ी

Ans. ब)

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. आचार्य तुलसी ने 'अणुव्रत आन्दोलन' का सूत्रपात कब किया ?

अ. 1945 ई.

ब. 1946 ई.

स. 1952 ई.

द. 1949 ई.

Ans. द) अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक- आचार्य तुलसी थे|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. किस संप्रदाय के अनुयायी मिलने पर 'सत्यराम' कहकर अभिवादन करते है ?

अ. राजाराम पंथ

ब. गुदड़ पंथ

स. नवल पंथ

द. दादू पंथ

Ans. द)

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. पशुपति संप्रदाय का संस्थापक कौन था ?

अ. लकुलीश

ब. बासव

स. कौशिक

द. वसुबंध

Ans. अ) उदयपुर का राजपरिवार इन्हीं का शिष्य था| उदयपुर में स्थित एकलिंग मंदिर इसी संप्रदाय का सर्वप्रसिद्ध मंदिर है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. सलेमाबाद में निम्बार्काचार्य पीठ की स्थापना किसने की -

अ. हरिव्यास देव
ब. परशुराम देव
स. नारायण देव
द. हरिवंश देव

Ans. ब) निम्बार्क संप्रदाय: इस शाखा के संस्थापक- निम्बाकाचार्य थे| इसकी प्रमुख सलेमाबाद अजमेर में है, जो कि परशुराम देव द्वारा स्थापित है|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. निरंजनी संप्रदाय के संस्थापक थे -

अ. संत निरंजननाथ

ब. संत रामदास

स. संत रामचरण

द. संत हरिदास

Ans. द) इनका जन्म नागौर जिले के कापडोद नामक गाँव में| ये संत बनने से पहले डकैती का कार्य किया करते थे| एक महात्मा के सम्पर्क में आने से इनका हृदय परिवर्तित हो गया|

Q. संप्रदाय, जो नियति की अटलता में विश्वास करता था -

अ. बौद्ध

ब. जैन

स. आजीवक

द. चार्वाक

Ans. स) आजीवक संप्रदाय की स्थापना मक्खलि गोसाल ने की थी|

SUBSCRIBE

Install App – Rajasthan 360

Q. मंत्र राजप्रकाश किस संत के आध्यात्मिक विचारों का संकलन है-

अ. संत लालदास

ब. संत सुन्दरदास

स. संत चरणदास

द. संत हरिदास

Ans. द)

SUBSCRIBE

Download app –

Rajasthan 360

visit Our Platform

Website : rajasthanclasses.in

Telegram : @rajasthanclasses

And Given link in description

आज का महत्वपूर्ण प्रश्न

राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन बने थे!

RAJASTHAN CLASSES